प्रतिदर्श प्रश्न पत्र–2019
संस्कृत–केवल प्रश्नपत्र
कक्षा–12

समय : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 100**

निर्देशः प्रारम्भ के पन्द्रह मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1– निम्नलिखित गद्य खण्ड पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः $2 \times 5 = 10$

अथ केयूरकः "देवि! देवस्य चन्द्रापीडस्य प्रसादभूमिः एषा पत्रलेखा नाम ताम्बूलकरङ्कवाहिनी इत्यभिधाय पत्रलेखाम् अदर्शयत्। अथ कादम्बरी दृष्ट्वा तां "अहो मानुषीषु पक्षपातः प्रजापतेः" इति चिन्तायांबभूव। कृत प्रणामां च तां, सादरम् 'एह्येहि' इत्याहूय, आत्मनः समीपे समुपावेशयत्। दर्शनादेव उपारूढप्रीत्यतिशया च मुहुर्मुहुरेनाम् करतलेन पस्पर्श।

(i) उपरोक्त गद्यांश किस पुस्तक से उद्धृत है?

(ii) चन्द्रापीडस्य प्रसादभूमिः का अस्ति?

(iii) "अहो मानुषीषु पक्षपातः प्रजापतेः" रेखांकित अंश का अनुवाद लिखिए।

(iv) 'करतलेन' में कौन सी विभक्ति है?

(v) 'मुहुर्मुहुः' का शाब्दिक अर्थ लिखिए।

अथवा

निर्गतायां केयूरकेण सह पत्रलेखायाम्, पितुः पादमूलं गत्वा शुकनासमुखेन वैशम्पायनप्रत्युद्गमनाय आत्मानं मोचयित्वा, जननीभवने निर्वर्तितशरीरस्थितिः तं दिवसं यामिन्याः यामद्वयं

च सुहृद्दर्शनौत्सुक्येन जाग्रदेव नीत्वा अपररात्रवेलाम् इन्द्रायुधम् आरुह्य, सुबहुना तुरङ्गम् बलेन अनुगम्यमानः, नगर्याः निर्गत्य, शिप्राम् उत्तीर्य, दशपुरगामिना मार्गेण प्रावर्तत गन्तुम्। तावत्यैव अपररात्रवेलया योजनत्रितयम् अलङ्घयत्।

(i) अस्य गद्यांशस्य प्रणेता कः?

(ii) चन्द्रापीडः केन मार्गेण प्रावर्तत गन्तुम्?

(iii) 'अपररात्रवेलया योजनत्रितयम् अलङ्घयत्' रेखांकित अंश का अनुवाद कीजिए।

(iv) 'प्रत्युद्गमनाय' का शाब्दिक अर्थ लिखिए।

(v) 'मोचयित्वा' में कौन सा प्रत्यय है?

2– अपनी पाठ्यपुस्तक के आधार पर किसी एक पात्र का हिन्दी में चरित्र–चित्रण लिखिए (अधिकतम 100 शब्द) : 4

(i) महाश्वेता

(ii) पत्रलेखा

(iii) चन्द्रापीड

3– बाणभट्ट के गद्य शैली की विवेचना हिन्दी अथवा संस्कृत में कीजिए (अधिकतम 100 शब्द)। 4

4– निम्नलिखित प्रश्नों का सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(अ) केयूरकः कः आसीत्? 1

(i) कादम्बर्याः सेवकः

(ii) कादम्बर्याः भ्राता

(iii) कादम्बर्याः पिता

(iv) महाश्वेतायाः भ्राता।

(आ) कादम्बर्याः माता का आसीत्? 1

(i) पत्रलेखा

(ii) मदलेखा

(iii) मदिरा

(iv) विलासवती

5– अधोलिखित में से किसी एक श्लोक की हिन्दी में सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए: 2+5 =7

(अ) एकातपत्रं जगतः प्रभुत्वं,
नवं वयः कान्तमिदं वपुश्च।
अल्पस्य हेतोर्बहुहातुमिच्छन्,
विचारमूढ़ः प्रतिभासि मे त्वम्।।

(आ) संतानकामाय तथेति कामम्,
राज्ञे प्रतिश्रुत्य पयस्विनी सा।
दुग्ध्वा पयः पत्रपुटे मदीयम्,
पुत्रोपमुङक्ष्वेति तमादिदेश।।

6– अधोलिखित में से किसी एक श्लोक की सन्दर्भ सहित संस्कृत में व्याख्या कीजिए : 2+5 =7

(अ) स त्वं मदीयेन शरीरवृत्तिं,
देहेन निर्वर्तयितुं प्रसीद।

दिनावसानोत्सुकबालवत्सा,

विसृज्यतां धेनुरियं महर्षेः।।

(आ) इत्थं क्षितीशेन वसिष्ठधेनुः,

विज्ञापिता प्रीततरा बभूव।

तदन्विता हेमवताच्च कुक्षे,

प्रत्याययावाश्रममश्रमेण।।

7— कालिदास की काव्यशैली संक्षेप में हिन्दी अथवा संस्कृत में लिखिए, (अधिकतम 100 शब्द)। 4

8— निम्नलिखित दिये गये विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(अ) इक्ष्वाकुवंशे समुत्पन्नः बभूव। 1

(i) दिलीपः

(ii) अजः

(iii) रघुः

(iv) सर्वे

(आ) नन्दिनी कस्य धेनुः अस्ति? 1

(i) दिलीपस्य

(ii) वसिष्ठस्य

(iii) नन्दन्याः

(iv) सुदक्षिणायाः

9– अधोलिखित खण्ड से किसी एक अंश का हिन्दी में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 2+5 =7

(अ) यस्य त्वया व्रणविरोपणमि्ङुदीनां

तैलं न्यषिच्यत मुखे कुशसूचिविद्धे।

श्यामाकमुष्टिपरिर्धितको जहाति

सोऽयं न पुत्रकृतकः पदवीं मृगस्ते।।

(आ) वनज्योत्स्ने, चूतसंगताऽपि मां प्रत्यालि्ङतोगताभिः शाखाबाहुभिः।

अद्यप्रभृति दूरपरिवर्तिनी ते खलु भविष्यामि।

10– निम्नलिखित में से किसी एक सूक्ति की सन्दर्भ सहित हिन्दी में व्याख्या लिखिए : 2+5 =7

(i) न खलु धीमतां कश्चिद्विषयो नाम।

(ii) अर्थो हिकन्या परकीय एव।

(iii) अतिस्नेहः पापशङ्की।

11– कालिदास का जीवन परिचय हिन्दी या संस्कृत में लिखिए (अधिकतम 100 शब्द)। 4

12– (अ) 'मालविकाग्निमित्रम्' किसकी कृति है– 1

(i) भवभूति

(ii) भास

(iii) शूद्रक

(iv) कालिदास

(आ) शकुन्तला कस्य ऋषेः आश्रमे न्यवसत्? 1

(i) विश्वामित्रस्य

(ii) वशिष्ठस्य

(iii) कण्वस्य

(iv) दुर्वासामुनेः

13– निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 10 पंक्तियों का संस्कृत में निबन्ध लिखिए : 10

(i) प्रयाग–वर्णनम्

(ii) पर्यावरणसंरक्षणम्

(iii) आचारः परमो धर्मः

(iv) उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।

14– 'रूपक' अलंकार की परिभाषा (हिन्दी या संस्कृत) में लिखिए। 3

अथवा

'उपमा' अलंकार का उदाहरण संस्कृत में लिखिए।

15– अधोलिखित में से किन्हीं चार वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : $2 \times 4 = 8$

(i) पुत्र के साथ पिता जाता है।

(ii) गाँव के दोनों ओर वृक्ष हैं।

(iii) ज्ञान के बिना मुक्ति नहीं।

(iv) कालिदास कवियों में श्रेष्ठ कवि हैं।

(v) विष्णु को नमस्कार।

(iv) गाँव के समीप नदी बहती है।

16– (अ) अधोलिखित रेखांकित पदों में से किसी एक में नियम निर्देश का उल्लेख कीजिए। 2

(i) पापात् निवारयति।

(ii) रावणः रामाय द्रुह्यति।

(iii) गोषु कृष्णा बहुक्षीरा।

(आ) 'भक्तः' रामाय रोचते' में रेखांकित पद में कौन सी विभक्ति है : 1

(i) पञ्चमी

(ii) चतुर्थी

(iii) षष्ठी

(iv) तृतीया

17– (अ) निम्नलिखित पदों में से किसी एक पद में विग्रह कीजिए : 2

(i) उपकृष्णम्

(ii) पञ्चवटी

(iii) रामकृष्णौ

(आ) 'यथाशक्ति' में प्रयुक्त समास का नाम है : 1

(i) द्वन्द्वः

(ii) द्विगुः

(iii) अव्ययीभावः

(iv) कर्मधारयः

18– (अ) 'सज्जनः' का सन्धि विधायक सूत्र लिखिए। 2

(आ) 'सच्चित्' का विच्छेद है : 1

(i) सत् + चित्

(ii) सच् + चित्

(iii) सच्चि + त्

(iv) स + च्चित्

19— (अ) 'वारिणा' पद में 'वारि' प्रातिपदिक के किस विभक्ति एवं वचन का रूप है। 2

(आ) 'नाम्ने' पद में 'नामन्' प्रातिपदिक के किस विभक्ति एवं वचन का रूप है : 1

(i) सप्तमी विभक्ति बहुवचन

(ii) तृतीया विभक्ति एकवचन

(iii) चतुर्थी विभक्ति द्विवचन

(iv) चतुर्थी विभक्ति एकवचन

20— (अ) 'नयामि' क्रियापद का पुरूष और वचन लिखिए। 2

(आ) 'दा' धातु के लोट् लकार, उत्तम पुरूष, एकवचन का रूप होगा : 1

(i) ददामि

(ii) ददाव

(iii) ददानि

(iv) ददातु

21— (अ) 'पीत्वा' पद में प्रयुक्त प्रकृति एवं प्रत्यय है : 1

(i) पा + तुमुन्

(ii) पा + क्त्वा

(iii) पा + अनीयर्

(iv) पा + ल्युट्

(आ) 'भू' धातु में तुमुन् प्रत्यय लगाने पर शब्द बनेगा : 1

(i) भूतम्

(ii) भवितुम्

(iii) भवतुम्

(iv) भूत्वा

22– अधोलिखित वाक्यों में से किसी एक का वाच्य परिवर्तन कीजिए : 2

(i) रमा पत्रं लिखति।

(ii) त्वया गृहं गम्यते।

(iii) सः रामायणं पठति।

*****